जनजाति समुदाय को अधिकार दिलाने तकनीक का हो इस्तेमाल : हर्ष चौहान

ब्यूरो | नई दिल्ली.

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष हर्ष चौहान ने जनजाति समुदाय को उनके संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ज्यादा-से-ज्यादा तकनीक का इस्तेमाल करने से जनजाति समाज की तरफ से आने वाली शिकायतों की त्वरित सुनवाई होगी। हर्ष चौहान शनिवार को आयोग के 19वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज के हितों की रक्षा करने और उनको न्याय दिलाने में आयोग पूरे मनोयोग से जुटा है। लेकिन हमें यह देखना होगा कि हमारी जो न्याय व्यवस्था है, उस तक इस समाज के लोग पहुंच पा रहे हैं? समाज के लोगों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए जरूरी है कि इनकी शिकायतों की त्वरित सुनवाई हो। इसमें तकनीक की मदद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयोग ने शिकायतों की सुनवाई करने के अलावा जनजाति समाज की अस्मिता, अस्तित्व तथा विकास के मुद्दों पर शोध और नीति निर्माण की प्रक्रिया में भी सहभागिता की है। इस अवसर पर आयोग के सदस्य अनंत नायक ने कहा कि हमें मशीन की भांति नहीं, बल्कि मानवीय तरीके से काम करना होगा।